

### जिम ट्रेनर ने फंदा लगाकर जान दी

जयपुर। अशोक नगर थाना क्षेत्र के सी-स्क्रीम में एक बीस वर्षीय जिम ट्रेनर ने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता तब चला,जब उसका रूम पार्टनर वापस लौटा और काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालिक व पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। पुलिस को मौके से कोई सुराइड नोट नहीं मिला है।

एएसआई राम कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान मध्यप्रदेश के रतलाम निवासी हर्षित परमार (20) के रूप में हुई है। जो रमेश मार्ग सी-स्क्रीम स्थित एक कमरे में रूम पार्टनर के साथ किराए पर रहकर जिम ट्रेनिंग का काम करता था। एएसआई के अनुसार घटना के दौरान हर्षित मकान मालिक से टिफिन लेकर अपने कमरे में चला गया था। उसी दौरान उसका रूम पार्टनर किसी काम से अजमेर गया हुआ था। इस दौरान हर्षित ने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रूम पार्टनर के वापस लौटने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उसने मकान मालिक और पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और अंदर जाकर देखा तो हर्षित फंदे से लटका हुआ था।

### लापरवाही से व्हील अलाइनमेंट करने पर सर्विस सेंटर पर हर्जाना

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग महानगर प्रथम ने व्हील अलाइमेंट के दौरान लापरवाही करने और ग्राहक की शिकायत को नजरअंदाज करने पर जयपुर टायर केयर पर 6000 रुपए का हर्जाना लगाया है। साथ ही आयोग ने अलाइनमेंट और गाड़ी ठीक कराने के लिए खर्च किए 39०1 रुपए भी ब्याज सहित परिवादी को लौटाने के आदेश दिए है। आयोग ने यह आदेश संदीप कुमार सौगानी की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवाद में अधिवक्ता महेंद्र कुमार ने बताया कि परिवादी ने 4 जुलाई, 2023 को विपक्षी फर्म से अपनी कार का व्हील अलाइमेंट और बैलेंसिंग 859 रुपए खर्च कर कराई। इसके बाद गाडी चलाने के दौरान कार से अजीब से आवाज आने लगी। परिवादी ने इसकी शिकायत की तो सेंटर के संचालक ने बारिश का हवाला देकर उसे वापस भेज दिया। शिकायत बढ़ने पर परिवादी ने कार को अधिकृत सर्विस सेंटर पर चेक करवाया। वहां टेक्नीशियन ने बताया कि व्हील अलाइनमेंट के दौरान पहिए के बोल्ट को इतना तेज कहा गया था कि इंजन, सर्पेंशन और टायर थामने वाले हेटल क्रॉस फ्रैम के दो बड़े बोल्ट के माथे टूट गए थे। इस पर गाडी ठीक कराने के लिए अलग से 3901 रुपए खर्च करने पड़े। दूसरी ओर सर्विस सेंटर की ओर से कहा गया कि गाडी के किसी बड़े पत्थर के टकराने से बोल्ट टूटे होंगे।

### ईवी वाहन के कीमती पार्ट्स चुराने वाला मिस्त्री गिरफ्तार

बगरू थानाधिकारी राजेंद्र कुमार गोदारा ने बताया कि परिवादी विकास कुमावत ने 15 जुलाई 2०26 को बगरू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 जुलाई की सुबह जब वह अपने वर्कशॉप पहुंचा तो वहां काम करने वाला मिस्त्री (डेंटर) मोहम्मद शहजाद उर्फ बब्बू गायब था। जांच करने पर वर्कशॉप से टाटा नेक्सॉन इंजीन का चार्जर, इमोबिलाइजर, बैटरी फ्यूज, ईसीएम, बीसीएम फ्यूज बॉक्स, एयरबैग तथा कार की चाबी सहित करीब छह लाख रुपए का सामान गायब मिला।

## ‘डेढ़ माह में 17 हजार प्रकरणों पर सुनवाई’

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण में दैनिक जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से बोते डेढ़ माह में 17 हजार से अधिक प्रकरणों पर आमजन की सुनवाई करके मामलों का निस्तारण किया गया है। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि लगभग 200 अधिकारी एवं कार्मिक प्रत्यक्ष रूप से आमजन की समस्याएँ सुन रहे हैं तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर समबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप डेढ़ माह की अवधि में

### कानोता में 6 बीघा भूमि पर बसाई जा रही दो अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने कानोता क्षेत्र में करीब 6 बीघा निजी खतेदारी कुषि भूमि पर निक्किसत की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही ध्वस्त किया। उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया

## मुख्यमंत्री ने लिया साइबर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया शिकायत दर्ज होने से लेकर उसे संबंधित थाना एवं बैंक तक भेजने ( डिस्पैच ) की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी ली

जयपुर ( कासं )। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर साइबर अपराध नियंत्रण को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और इसके लिए आवश्यक सभी सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वहीं बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने आर-4-सी (राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर) का निरीक्षण किया और साइबर अपराध रोकथाम के लिए विकसित तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल रूम 193० की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा तथा स्वयं हेल्पलाइन पर आए एक पीड़ित की शिकायत सुनी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से शिकायत दर्ज होने से लेकर उसे संबंधित थाना एवं बैंक तक भेजने (डिस्पैच) की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर के लाइव डैशबोर्ड का भी अवलोकन कर साइबर अपराधों की



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर साइबर क्राइम कंट्रोल रूम 193० की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा तथा स्वयं हेल्पलाइन पर आए पीड़ित की शिकायत भी सुनी।

मॉनिटरिंग, शिकायतों के निस्तारण और तकनीकी निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में साइबर

अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई और तकनीकी क्षमता बढ़ाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, महानिदेशक

पुलिस राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एनएम के साथ निगरानी में रखें : वी. श्रीनिवास

### हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए मुख्य सचिव ने

जयपुर ( कासं )। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को उपयुक्त अस्पताल (सीएचसी, उपजिला अस्पताल, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज) से सैप किया जाए तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एनएम के साथ निगरानी में रखे और आवश्यकता पर डॉक्टर को तुरंत दिखाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वी. श्रीनिवास शनिवार को स्वास्थ्य भवन स्थित सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएचओ, आरसीएचओ, पीएमओ, संयुक्त निदेशक-जोन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों व अस्पताल के अधीक्षकों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लेबर रूम एवं ओटी के लिए जारी प्रोटोकॉल की पालना प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिला से जुड़ी एनएम प्रति 3 दिन बाद व्यक्तिगत सम्पर्क करेंगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक मातृ मृत्यु की समीक्षा संस्था स्तर पर एवं सामुदायिक स्तर पर रहे कारणों के साथ की जाए तथा अस्पतालों में बनाई गई मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए भी समीक्षा की जाए। उन्होंने गर्भवती महिला को प्रसव पूर्व, दो बच्चों के अन्तर, एनीमिया तथा पूर्व प्रसव के दौरान होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते